Confirmari possit conjectura mea lectione ed. Calc. मिश्चितपद्मान्त i.e. pulchro loto similes oculos habens. Fortasse tamen genuina lectio est मिश्चितपद्मान्त i.e. pulchris palpebris praeditos oculos habens; cf. supra memoratum मिश्चितान्तिपद्मन

সুত্রু 1. দ. (সাযান, grammatici scribunt স্নন্তু, gr. 110°).)
longum esse.

স্বস্ত্র 7. 10. P. (স্নার্ডিম, স্কল্প্রয়ামি; স্কতর 10. a grammaticis scribitur সূত্র ) 1) ire, v. সূত্রন্ . 2) splendere.

3) oblinere, ungere, praesertim cl. 10. MAN. 4. 44:: म्रञ्ज-यन्ती स्त्रको नेत्रे oblinens oculos suos (lat. ungo).

c. বি Caus. 1) manifestare, arguere. MAN. 10.38. Pass. তথ্যথেন (gr. 503.538.). HIT. 103.20. 2) creare. MAN. 1.6.

म्राज्ञन n. collyrium. Hit. 74.4.

স্তমন্ত্ৰলৈ m. manuum junctio, implicatio (Wils. explicat:
The cavity formed by putting the hands together and hollowing the palms, as if to receive water, etc.).

म्रञ्जस् n. (r. म्रञ्जू s. म्रस्) celeritas. SA. 6.44. instr. म्रञ्ज-सा Ado. celeriter.

সূত্ 1. P.A. ire, incedere, ambulare. RAM. ed. Ser.III. 52.
18.: স্তানি হারানামিত্র ক্রন্থা: incedunt in regiis
viis elephanti; III. 70.63.: মুম্যান্ স্তান venatum it;
N. 2.13. 10.1.: স্তান্

c. परि circumgredi. Hit. 42.13.

স্থান n. (r. সূতু s. সূন) ambulatio, iter, peregrinatio. Hrr. 28. 108.

म्राटवी f. sylva. Hit. 41.1.

1. ऋरूर् 1. 4. (म्रतिक्रामे रू. म्रतिक्रामे, वधे रू.) superare, occidere.

2. ऋट्ट्र 10. P. (म्रनाद्रे K.) despicere, vilipendere.

স্তুট্রান m. (ex সূত্ত multus - a r. সূতু s. স্ল - et हास risus) risus vehemens, cachinnus, hinnitus. Dev. 2.31. 9.21.

म्रट्राल m. palatium.

সহতালক m. (a praec. s. কা) ut videtur i. q. সহতাল vel সহতালকা; secundum Wils. «a room on the top of a house». A. 10. 3. ubi সহতাল pro সহলে scribendum.

म्रट्टालिका f. secundum Wils. «a palace, an upper roomed house».

श्रुठ् 1. ₽. (गती) ire.

1. मुटु 1. P. (उद्यमे) operam dare, adniti.

2. ऋड़ 5. P. (ठ्यापने) occupare.

म्रुड्ड 1. P. (म्रिभियोगे) niti, contendere, petere.

1. ऋण् 1. म. (श्रृडदे) sonare.

2. ऋण् 4. 4. (प्राण्ति) spirare, spiritum trahere. cf. ऋन् .

म्रापाक (r. म्रापा s. म्रका) inferior, pravus, vilis. Am.

अणीयस् (ab अणु s. comp. ईयस्) minor, parvulus, perexiguus. Bn. 8.9.

ऋण (त. ऋएजी) parvus, exiguus. N. 8. 32. BH. 8.9.

স্নাত १. এ. (गती, grammatici scribunt म्रह्, praet. red. म्रा-नगरे gr. 433.) ire.

म्राह्न n. 1) ovum. 2) testis, testiculus. Hit. 49.16.

ऋएउत m. (ovo natus, ex ऋएउ et त्र) avis.

श्रत् 1. र. (सातत्यगमने) continuo ire, peragrare (v. अतसं)

স্ত্রনট m. (влн. ex স্ত্র priv. et तह ripa) praecipitium. Am. স্ত্রনথাचিন (клнм. ex স্ত্র priv. et तथाचित, клнм. e तथा sic et उचित dignus, merens, a r. उच्) non sic dignus, non hac re dignus, non hoc merens. H. 1.33. N. 15.17.

স্নান্দ্রন (KARM. ex স্ন priv. et নান্দ্রন, quod separatim non invenitur, lassitudine affectus, lentus, negligens, a নান্দ্রা f. s. হ্বা 1) indefessus. 2) non lentus, non negligens. N. 15. 14. 17. 46. 20. 36. M. 45.

সনামন্ত্র (BAH. ex সানাম - ex স্প priv. et নাম part. pass. a r. না q.v. - et না ্লে q.v.). Non absoluta sacra tormenta habens (nicht gebüßste Bußse, nicht vollbrachte fromme Selbstqual habend). IN. 1.17. 2.4.

됐तस् (a stirpe pronominali 됐, gr. 270., s. 규단) 1) inde, hinc, illinc. N. 9.23. 2) ideo, igitur, itaque. Br. 2.30. SA. 5.11. 3) in comparationibus pro ablativo pronominis उद्म substantive posito usurpatur. H. 1.29.35. — Ante নিম্নম্ (causâ, propter) genitivi fungitur vice: